FPO को जल्दी भुगतान: SEBI का परामर्श-प्रस्ताव और किसान की नकदी

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: SEBI का परामर्श-पत्र, 25 नवंबर 2026: कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव में FPO के लिए प्रस्तावित शीघ्र भुगतान (Early Pay-out).

प्रिलिम्स: SEBI, FPO, कमोडिटी डेरिवेटिव

मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-3, कृषि विपणन, कमोडिटी बाजार, FPO



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

SEBI ने 25 नवंबर 2026 को परामर्श-पत्र जारी कर प्रस्ताव रखा कि कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव में किसान उत्पादक संगठनों (FPO) को बिक्री-मूल्य का अधिकांश हिस्सा समय से पहले मिल सके। जनता की टिप्पणियाँ 16 दिसंबर 2026 तक माँगी गई हैं।[1]

स्थिति: यह केवल परामर्श-प्रस्ताव है, लागू नियम नहीं। मसौदा-परिपत्र की तारीख वाली जगह "दिसंबर xx" खाली है, इसलिए यह लागू होने की तारीख नहीं है। मसौदे में कहा गया है कि परिपत्र जारी होने के तीन माह के भीतर यह लागू होगा।

प्रस्ताव का सार

पात्र ग्राहक: कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव में वे FPO, जिन्होंने शीघ्र पे-इन (Early Pay-In, EPI) किया है, यानी माल की समय-पूर्व डिलीवरी की है।[1]

शीघ्र भुगतान (Early Pay-out, EPO): समाप्ति-तिथि से अधिकतम 30 दिन पहले, बिक्री-मूल्य के अधिकतम 80 प्रतिशत तक। यह प्रस्ताव है; अंतिम सीमा परामर्श के बाद बदल सकती है।[1]

कौन दे सकेगा: केवल वे कॉर्पोरेट ट्रेडिंग सदस्य जिनकी निवल संपत्ति (net worth) कम से कम 3 करोड़ रुपये है। कुल जोखिम निवल संपत्ति के अधिकतम 3 गुना तक सीमित रखने का प्रस्ताव है।[1]

शुल्क: सदस्य शुल्क ले सकेंगे, पर पहले से खुलासा करके और ग्राहक की सहमति से।[1]

सरल उदाहरण: FPO ने गोदाम में माल जमा किया और बिक्री-मूल्य 100 रुपये का है। प्रस्ताव के अनुसार ट्रेडिंग सदस्य समाप्ति से पहले अधिकतम 80 रुपये तक अग्रिम दे सकता है। यह स्वतः मिलने वाला लाभ नहीं है; सदस्य की पात्रता, सहमति और शर्तें लागू होंगी।

धन का स्रोत और जोखिम-नियंत्रण

स्रोत: सदस्य अपने कोष, बैंक या NBFC से उधार, वाणिज्यिक पत्र, प्रवर्तकों के असुरक्षित ऋण और सूचीबद्ध NCD से धन जुटा सकेंगे। अन्य ग्राहकों का धन इस्तेमाल नहीं होगा।[1]

मार्जिन और MTM: मौजूदा नियमों के अनुसार संभाले जाएँगे। EPO मिलने के बाद FPO को उस पोजिशन का स्क्वेयर-ऑफ करने की अनुमति नहीं होगी; सदस्य और एक्सचेंज/क्लियरिंग कॉर्पोरेशन को इसे सुनिश्चित करना होगा। रिकॉर्ड रखना, ऑडिट और अगले दिन दोपहर 12 बजे तक एक्सचेंज को खुलासा भी प्रस्तावित है।[1]

पृष्ठभूमि: यह प्रस्ताव क्यों

कार्य-समूह ने इस प्रस्ताव की सिफारिश की थी; 26 फरवरी 2026 की CDAC बैठक में इस पर मोटे तौर पर सहमति बनी।[1] FPO के सामने समस्या नकदी की है: माल जमा होने के बाद भी भुगतान समाप्ति-तिथि तक रुका रहता है, जबकि अगली फसल के लिए पूँजी की जरूरत हो सकती है।

चुनौतियाँ

- **लागत:** अग्रिम पर शुल्क छोटे संगठन के लाभ को घटा सकता है।
- **प्रतिपक्ष-जोखिम:** जोखिम निवल संपत्ति से जुड़ा हो सकता है; उधार-आधारित धन से सदस्य पर दबाव बढ़ सकता है।
- **जागरूकता:** FPO की वित्तीय साक्षरता और अनुबंध की स्पष्टता पर लाभ निर्भर कर सकता है।
- **अंतिम नियम:** परामर्श के बाद पात्रता और सीमाएँ बदल सकती हैं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"कमोडिटी बाजार में किसान उत्पादक संगठनों की भागीदारी के लिए नकदी की उपलब्धता निर्णायक है।" SEBI के प्रस्तावित शीघ्र भुगतान ढाँचे के संदर्भ में इसके लाभ और जोखिमों का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में:

शीघ्र भुगतान प्रस्ताव में पात्र FPO को समाप्ति से पहले बिक्री-मूल्य का अधिकतम 80 प्रतिशत मिल सकता है। यह अभी परामर्श के चरण में है।

मुख्य भाग में:

- **लाभ:** नकदी की कमी घटना, अगली फसल के लिए पूँजी की उपलब्धता, डेरिवेटिव बाजार में FPO की भागीदारी।
- **सुरक्षा-उपाय:** केवल कॉर्पोरेट सदस्य, 3 करोड़ रुपये की न्यूनतम निवल संपत्ति, 3 गुना जोखिम-सीमा, दूसरे ग्राहकों के धन का निषेध और खुलासा।
- **जोखिम:** शुल्क का बोझ, सदस्य की उधारी, छोटे संगठनों की समझ और अंतिम नियमों की अनिश्चितता।

निष्कर्ष में:

सुरक्षा-उपायों के साथ यह प्रस्ताव किसान-संगठनों की नकदी-समस्या घटा सकता है, पर परिणाम अंतिम परिपत्र और निगरानी पर निर्भर करेगा।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

SEBI के प्रस्तावित शीघ्र भुगतान (Early Pay-out) ढाँचे के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: यह परामर्श-पत्र के रूप में है, अंतिम परिपत्र नहीं।

कथन 2: प्रस्ताव में बिक्री-मूल्य का अधिकतम 80 प्रतिशत देने की बात है।

कथन 3: इसे कोई भी स्टॉक ब्रोकर दे सकेगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 1 और 2

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (d)

कथन 1 सही है: SEBI ने 16 दिसंबर 2026 तक टिप्पणियाँ माँगी हैं।

कथन 2 सही है: अधिकतम 80 प्रतिशत प्रस्तावित है।

कथन 3 गलत है: प्रस्ताव केवल कम से कम 3 करोड़ रुपये निवल संपत्ति वाले कॉर्पोरेट ट्रेडिंग सदस्यों के लिए है।

प्रस्तावित EPO ढाँचे में कुल जोखिम की सीमा क्या है?

(a) निवल संपत्ति का 1 गुना

(b) निवल संपत्ति का 3 गुना

(c) निवल संपत्ति का 5 गुना

(d) कोई सीमा नहीं

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

प्रस्ताव में कुल जोखिम निवल संपत्ति के अधिकतम 3 गुना तक सीमित रखने की बात है।

स्रोत

1. SEBI, परामर्श-पत्र, 25 नवंबर 2026: कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव में FPO के लिए शीघ्र भुगतान का प्रस्ताव

यह भी पढ़ें
किसान उत्पादक संगठन और जलवायु-सुरक्षित खेती: संगठन की भूमिका और उसकी सीमा

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: SEBI के परामर्श-पत्र में कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव में पात्र FPO को समाप्ति से पहले बिक्री-मूल्य का अधिकतम 80 प्रतिशत देने का प्रस्ताव है। यह लागू नियम नहीं है।

EPO प्रस्ताव में कितना भुगतान संभव है?

समाप्ति से अधिकतम 30 दिन पहले, बिक्री-मूल्य के अधिकतम 80 प्रतिशत तक।

यह सेवा कौन दे सकेगा?

केवल कम से कम 3 करोड़ रुपये निवल संपत्ति वाले कॉर्पोरेट ट्रेडिंग सदस्य, जिनका कुल जोखिम निवल संपत्ति के 3 गुना तक सीमित हो।

क्या यह लागू हो चुका है?

नहीं। यह परामर्श-चरण में है; टिप्पणियाँ 16 दिसंबर 2026 तक माँगी गई हैं।